संदेश

'हिंदी दिवस' के शुभ अवसर पर भारतीय सेना के सभी रैंकों, सिविलियन अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हार्दिक अभिनंदन एवं शुभकामनाएं।

'14 सितंबर' का दिन हमारे राष्ट्र के लिए बड़े गौरव और सम्मान का दिवस है। वर्ष 1949 में इसी दिन हमारी संविधान सभा ने हिंदी भाषा को गणतंत्र भारत की 'राजभाषा' का दर्जा दिया था।

भारत के बहुभाषीय परिप्रेक्ष्य में व्यक्तित्व विकास, सामाजिक गतिशीलता एवं सह–अस्तित्व के लिए प्रांतीय भाषा एवं अंतर्राष्ट्रीय भाषा के साथ–साथ हिंदी का अच्छा ज्ञान होना अनिवार्य है। सेना तथा आम जनता के बीच पत्र–व्यवहार में सहज और सरल हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग सह–अस्तित्व एवं भाईचारे की भावना को उजागर करता है। हिंदी हमारी राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। देश की अखंडता, संप्रभुता एवं सांस्कृतिक मूल्यों को एकता के सूत्र में पिरोए रखने में राजभाषा हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

यह हर्ष का विषय है कि भारतीय सेना के दैनिक क्रियाकलापों में हिंदी का व्यापक प्रयोग हो रहा है। देश के विभिन्न प्रांतों से आने वाले हमारे सैनिक संपर्क भाषा के रूप में हिंदी को वरीयता देते हैं। मेरा मानना है कि राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में वार्षिक लक्ष्यों को हासिल करने में हमारा निरंतर एवं सामूहिक प्रयास निर्णायक सिद्ध होगा।

मुझे पूरा विश्वास है कि जिस निष्ठा एवं तत्परता के साथ हम देश की सुरक्षा करते हैं, उसी पावन भावना के साथ अपनी भाषा की विरासत के अस्तित्व को बनाए रखने एवं उसके प्रचार प्रसार में अपना बहुमूल्य योगदान देने में भी हम सदैव अग्रणी रहेंगे।

जय हिंद!

मनोज मुकुंद नरवणे
जनरल
सेनाध्यक्ष